

श्री गुरु ग्रंथ साहबि का प्रकाश पर्व

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में प्रधानमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहबि के प्रकाश पर्व (प्रकाश दिवस) के अवसर पर शुभकामनाएँ दीं।

- **प्रकाश पर्व:** यह वर्ष 1604 में अमृतसर में नवनर्मित स्वर्ण मंदिर में श्री गुरु ग्रंथ साहबि (जैसे आदिग्रंथ साहबि भी कहा जाता है) के प्रथम प्रकाश (उद्घाटन समारोह) की स्मृति में मनाया जाता है।
- **आदिग्रंथ साहबि:** आदिग्रंथ का अर्थ है- 'पहली पुस्तक' जो गुरु अर्जन देव (10 गुरुओं में से 5वें) द्वारा वर्ष 1604 में रचित सखि धर्मग्रंथों का प्रारंभिक संकलन है।
 - आदिग्रंथ **गुरु ग्रंथ साहबि का पहला संस्करण** है, जो सखियों का पवतिर धर्म ग्रंथ है।
 - **10वें सखि गुरु, गुरु गोवदि सहि** ने वर्ष 1704 से 1706 के दौरान ग्रंथ में और पवतिर शब्द जोड़े।
 - वर्ष 1708 में अपने प्रस्थान से पूर्व उन्होंने **आदिग्रंथ को शाश्वत गुरु घोषित किया** और **सभी सखियों को गुरु ग्रंथ साहबि को अपना अगला व शाश्वत गुरु मानने का आदेश** दिया। तब इसका नाम बदलकर **श्री गुरु ग्रंथ साहबि** कर दिया गया।
 - आदिग्रंथ में **कबीर, रवदास, नाम देव और शेख फरीद सहित 36 हद्दि तथा मुस्लिमि लेखकों की रचनाएँ** शामिल हैं।

और पढ़ें: सखि धर्म, गुरु ग्रंथ साहबि का स्वरूप, गुरु तेग बहादुर

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prakash-purab-of-sri-guru-granth-sahib>